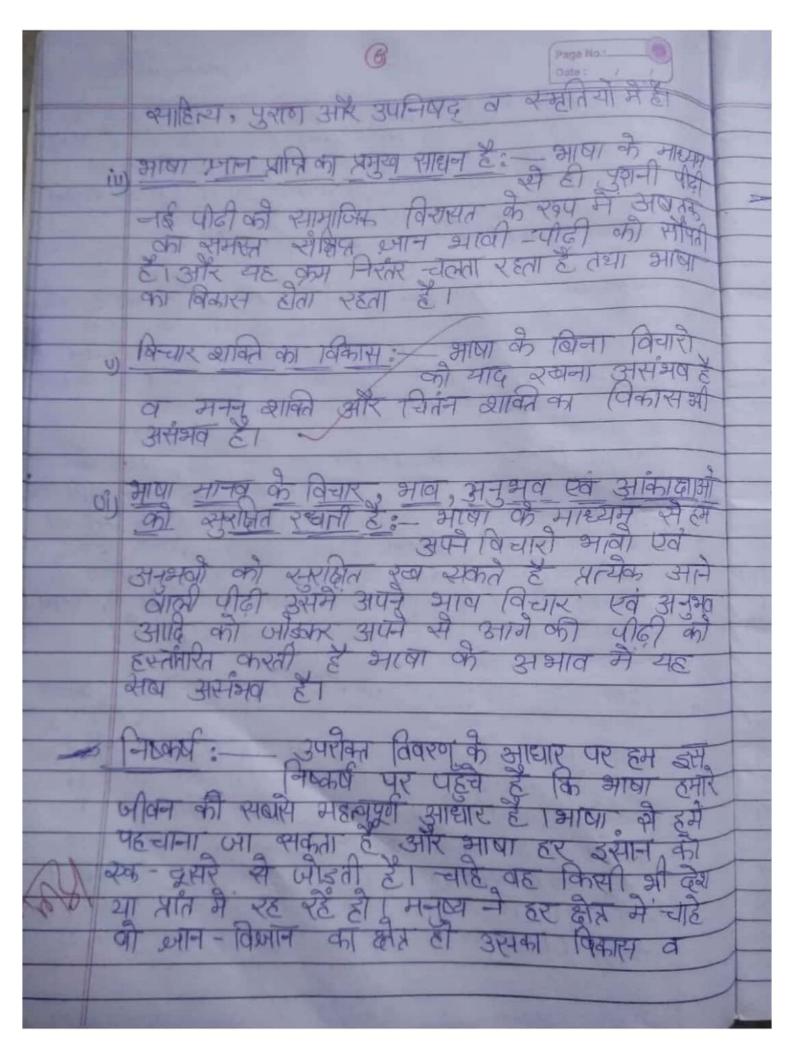
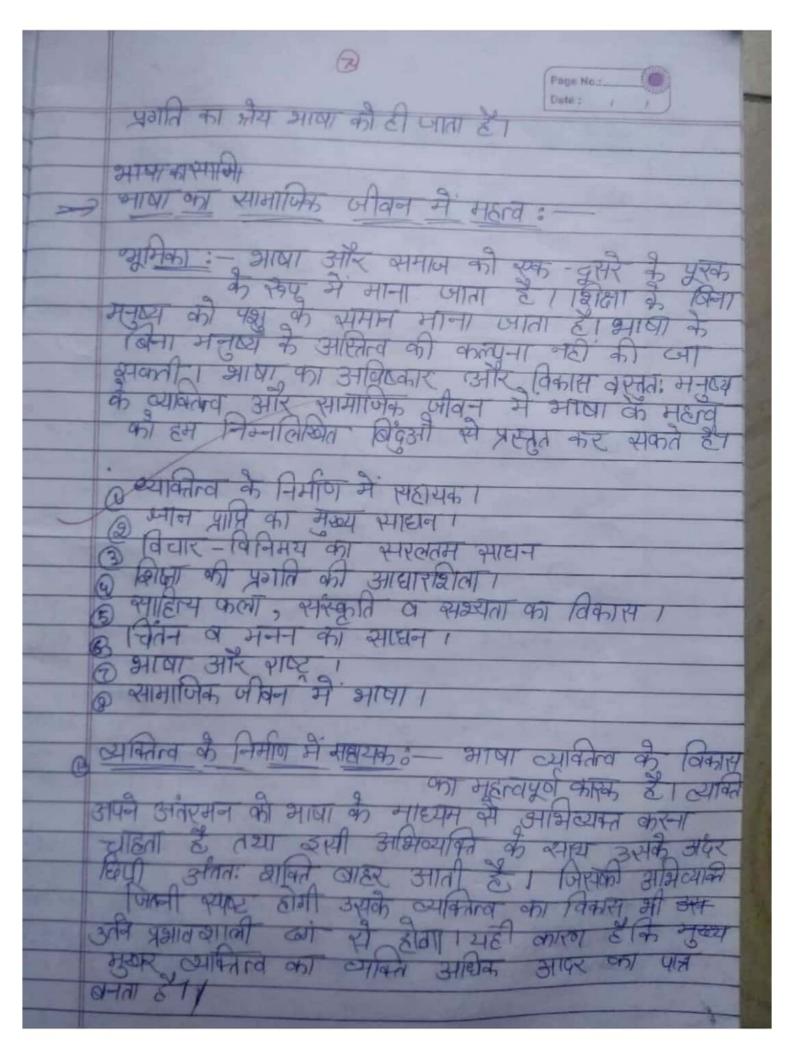
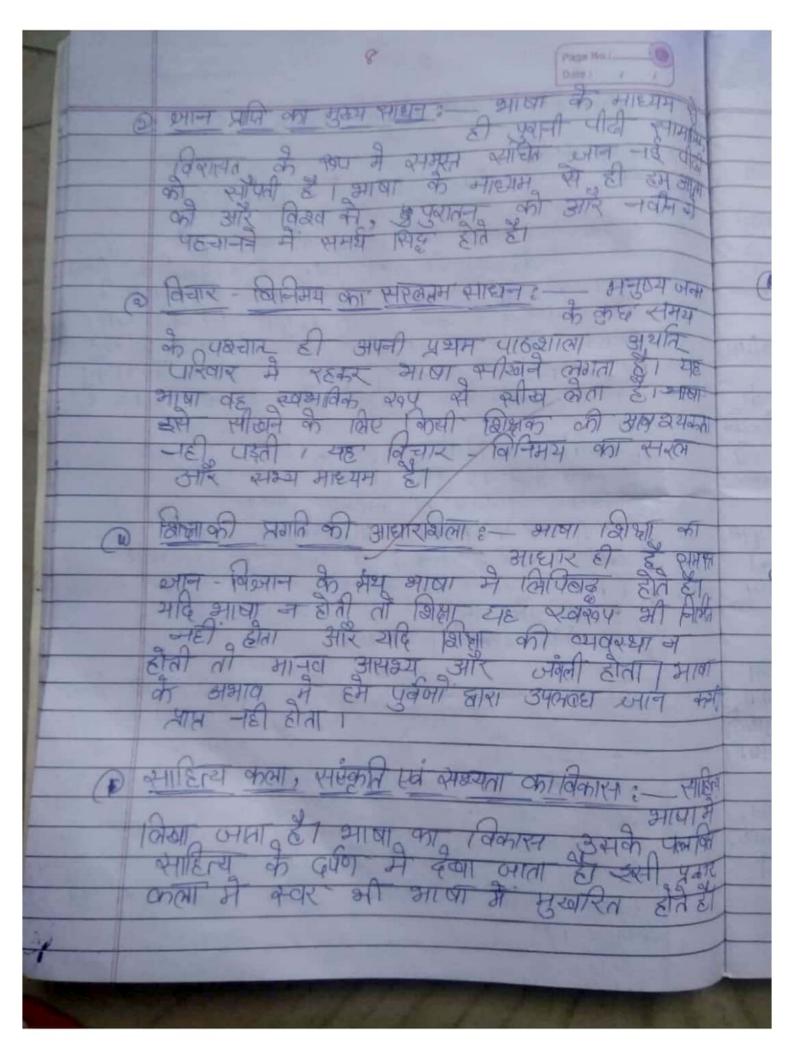
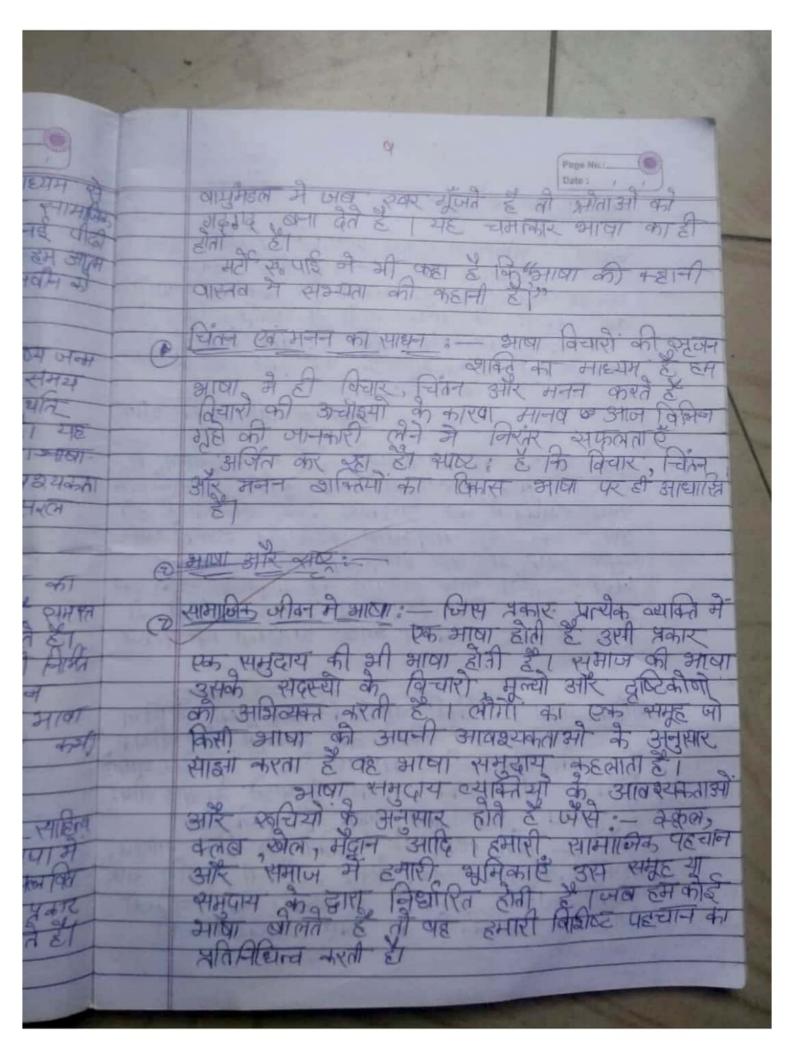


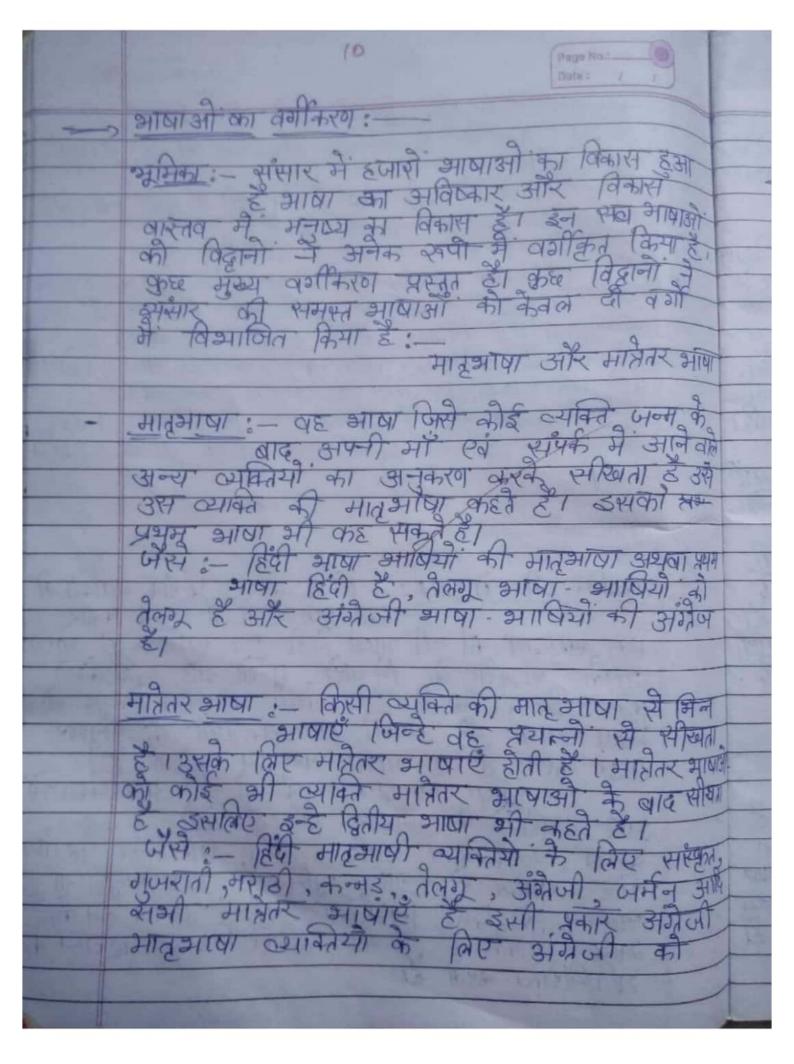
101 का साधन (fir

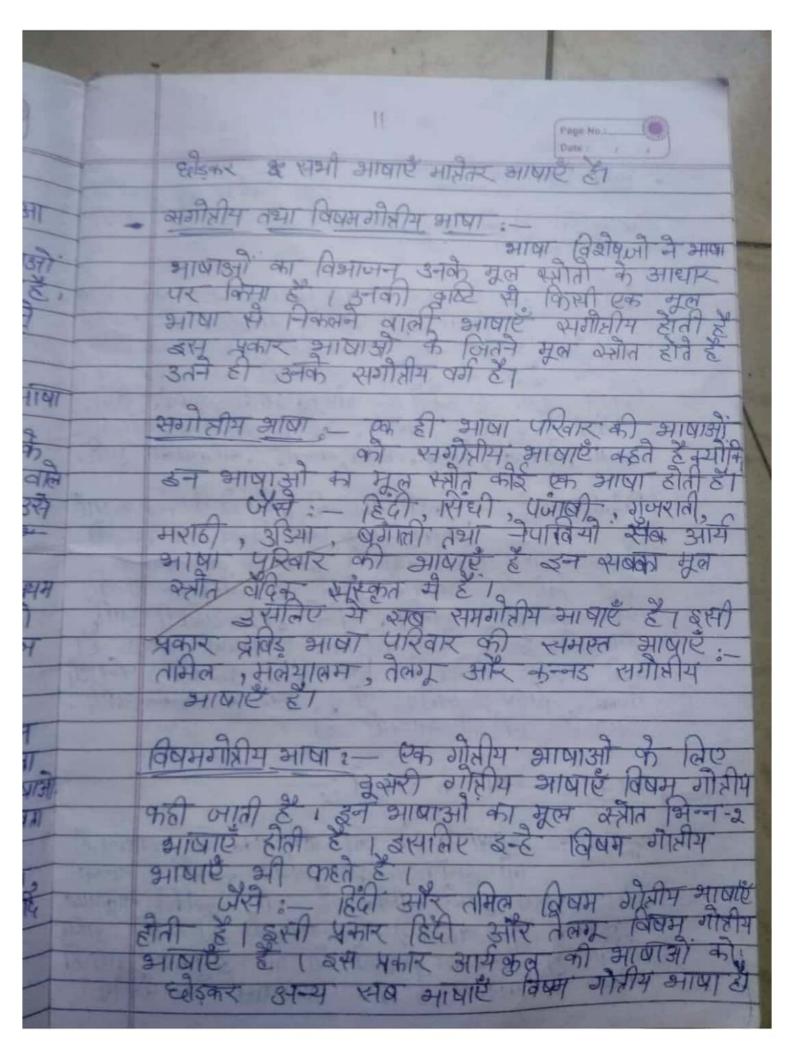


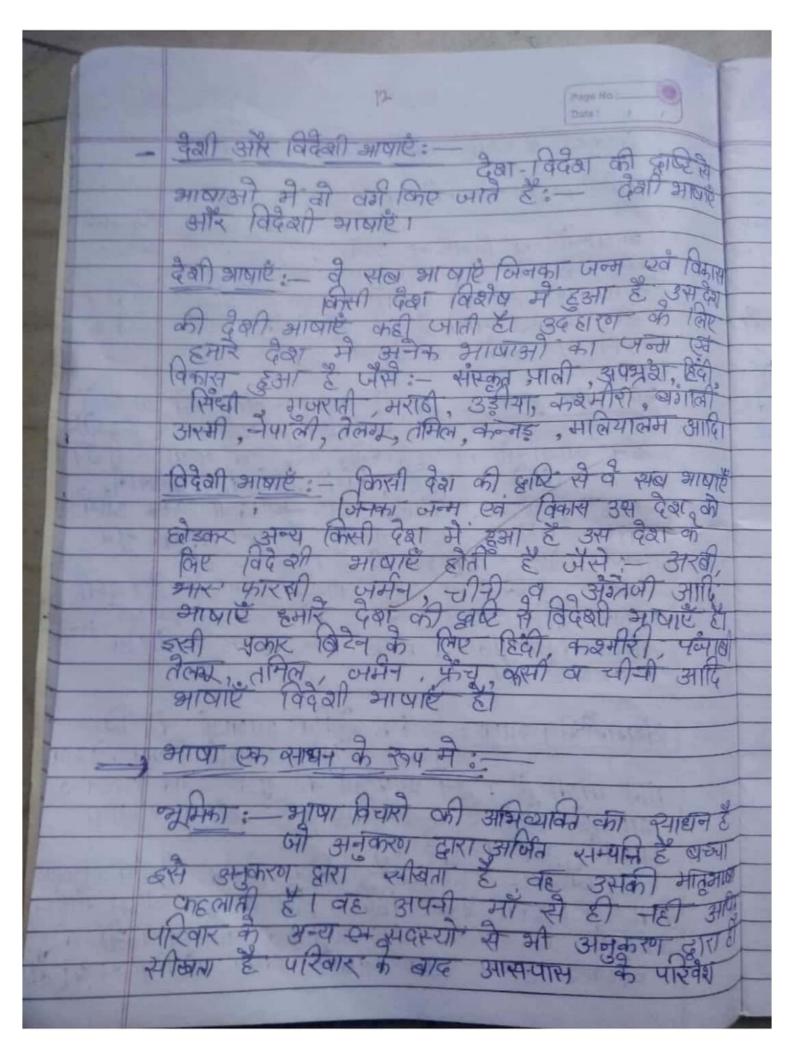


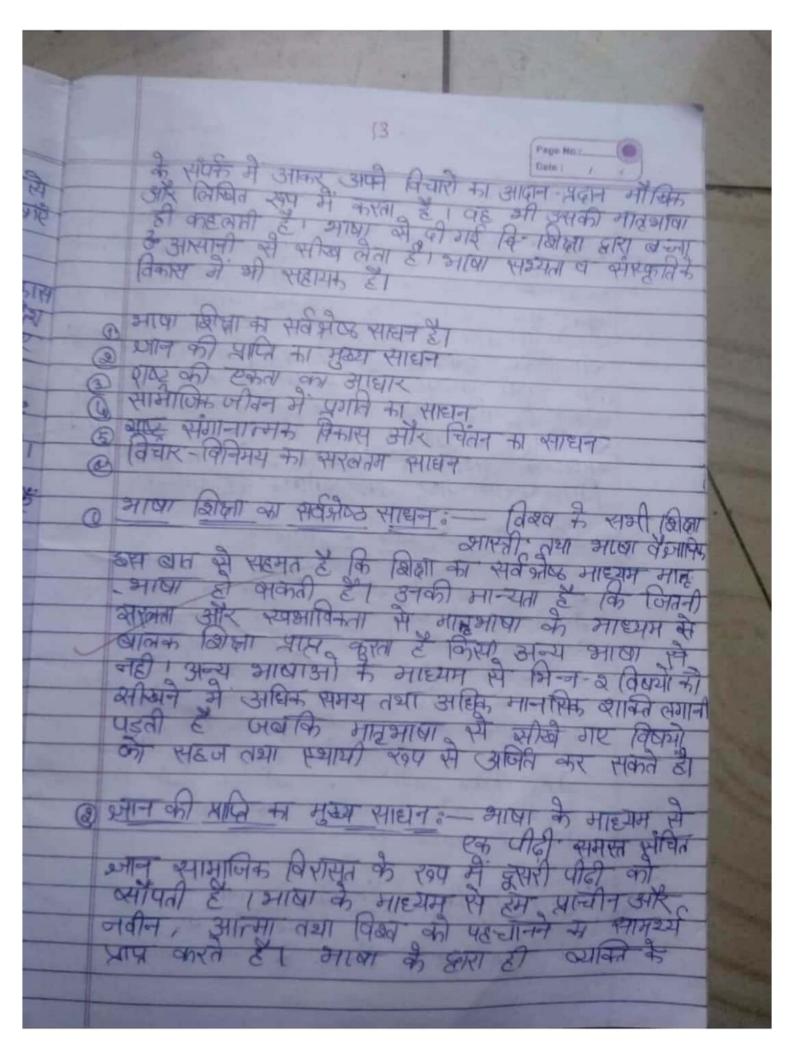


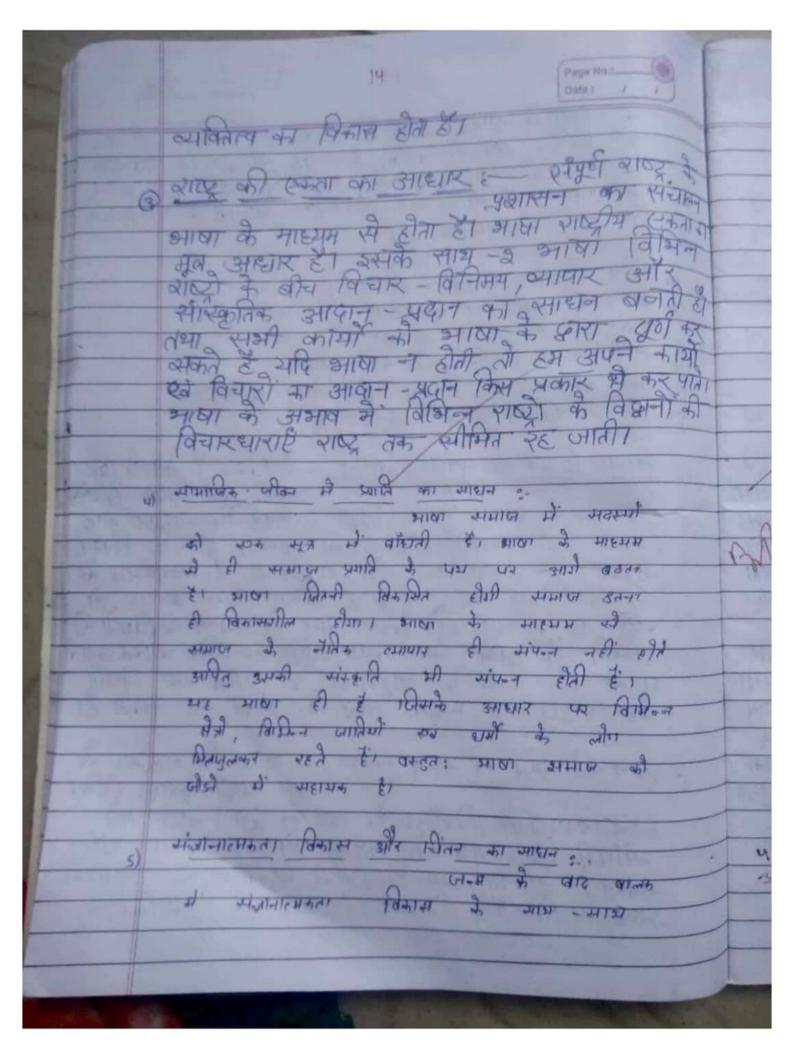


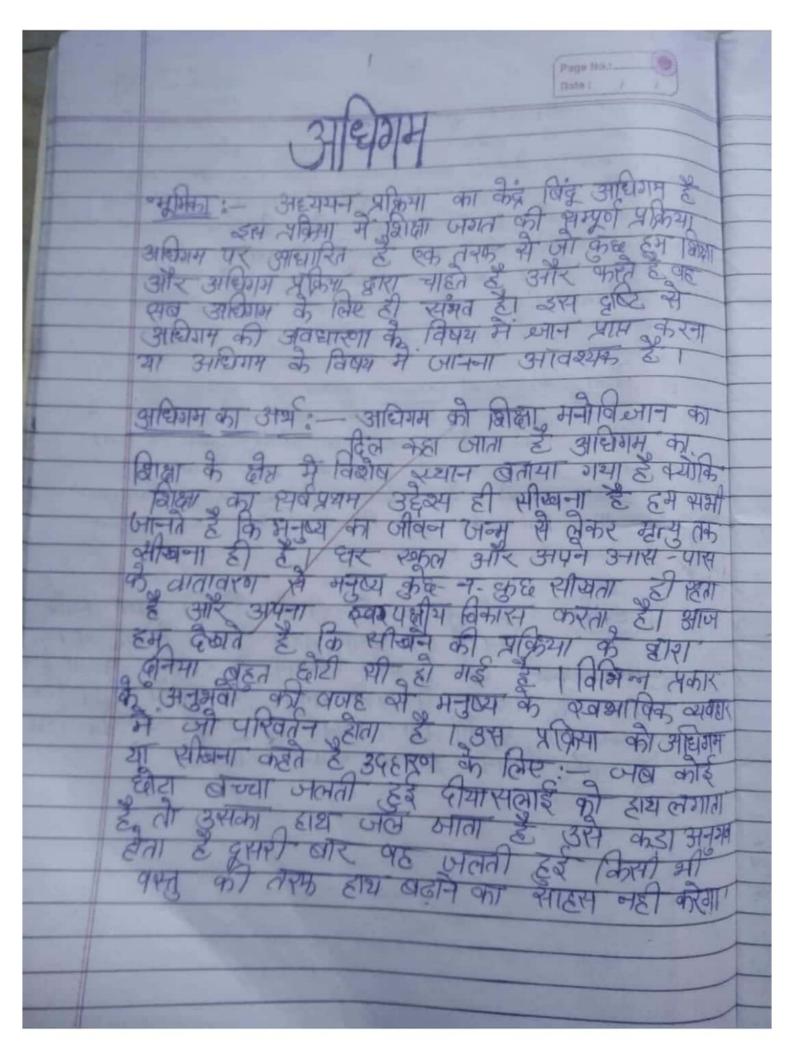




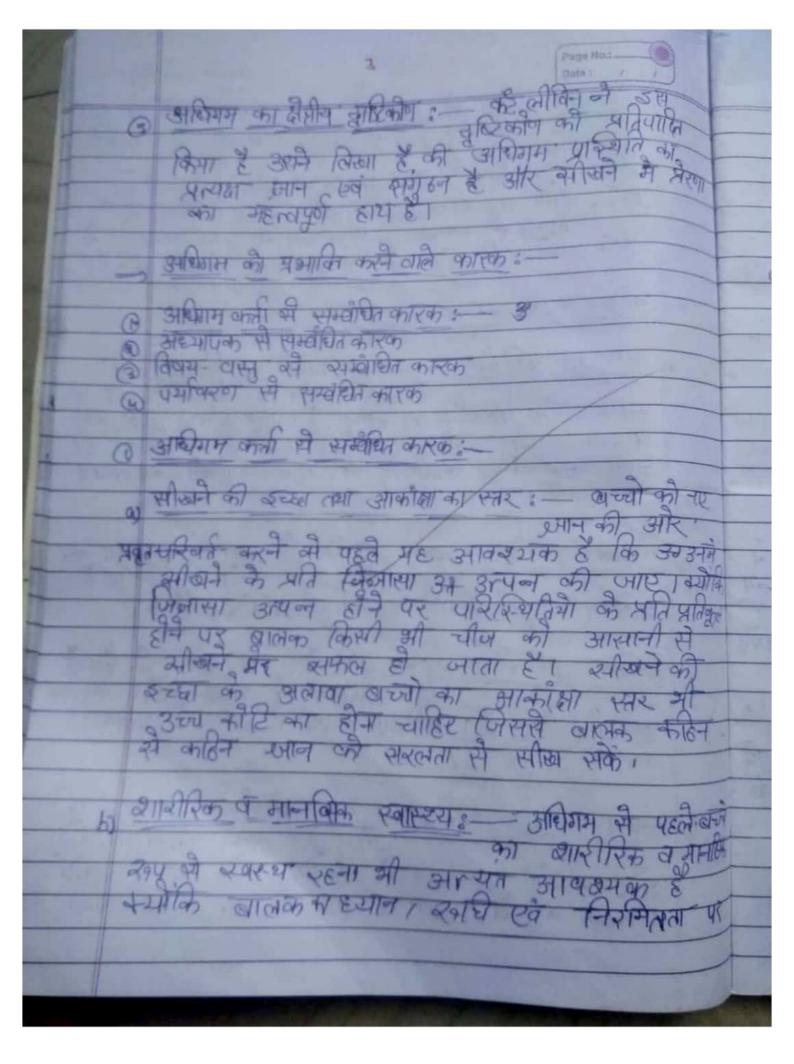




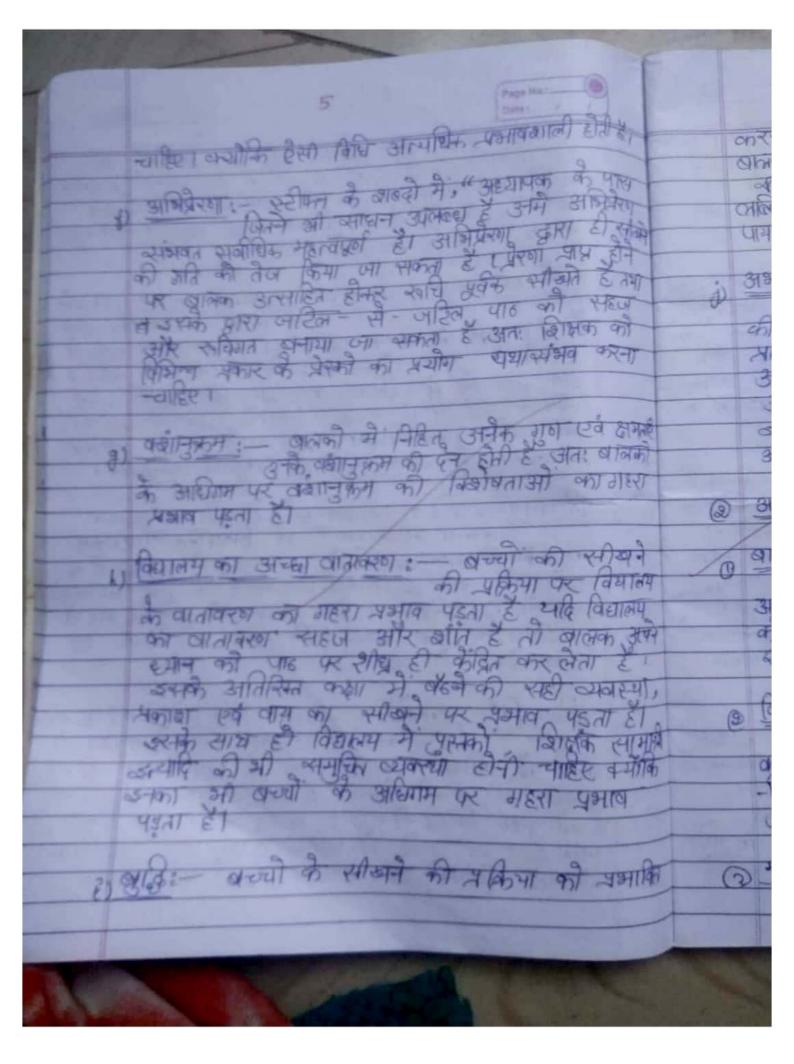




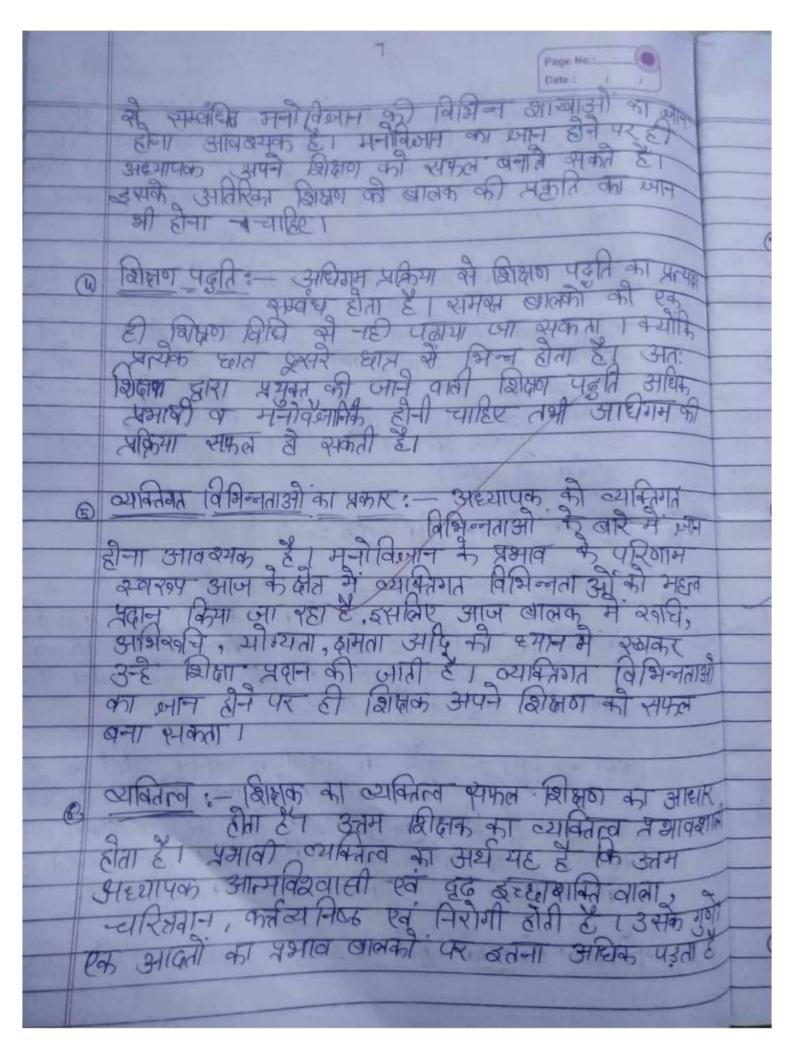
के अनुसार , ६ अधिनम व्यक्ति मु है , भी उसके वातावरण के की एउ की की अनुसार, "शीखने के अतेशीत ज्ञान तथा व्यवहार की ग्रहण करना ग्रामिल है।" ग्रेट्स की अनुसार, "अनुभव के, श्राश व्यवहार एके परिवर्तन की स्वीक्रना या अधिज्ञाम करते हैं BIT अधिग्रम का स्थरवप अधवा मस्ति : व्यवहारिक द्वारिकोण :- व्यवहारवादिनो वस्तिहार में परिवर्तन का नाम है। अनुष्या वातावरण में स्तिकिमा करते हैं। वन्ना वातावरण भी शिस्टालर होष्टिकीण:— उस द्विकीण के सनुषार अधिगम का आधार शैरटालट द्वीचे पर निर्मर है अधिगम व्यास्त्रण स्थिति की सम्पूर्ण यतिक्रिया है। हीरमिक हार्टिकीण: — यह दृष्टिकीण मैंकड्रम् की दैः यह आधीगम के लक्ष्य केंद्रित स् ग भूल द्वा<u>धिकीश</u>ः— यह देन है तिगो पर बहुत से अग की वे प्रभान व भूव

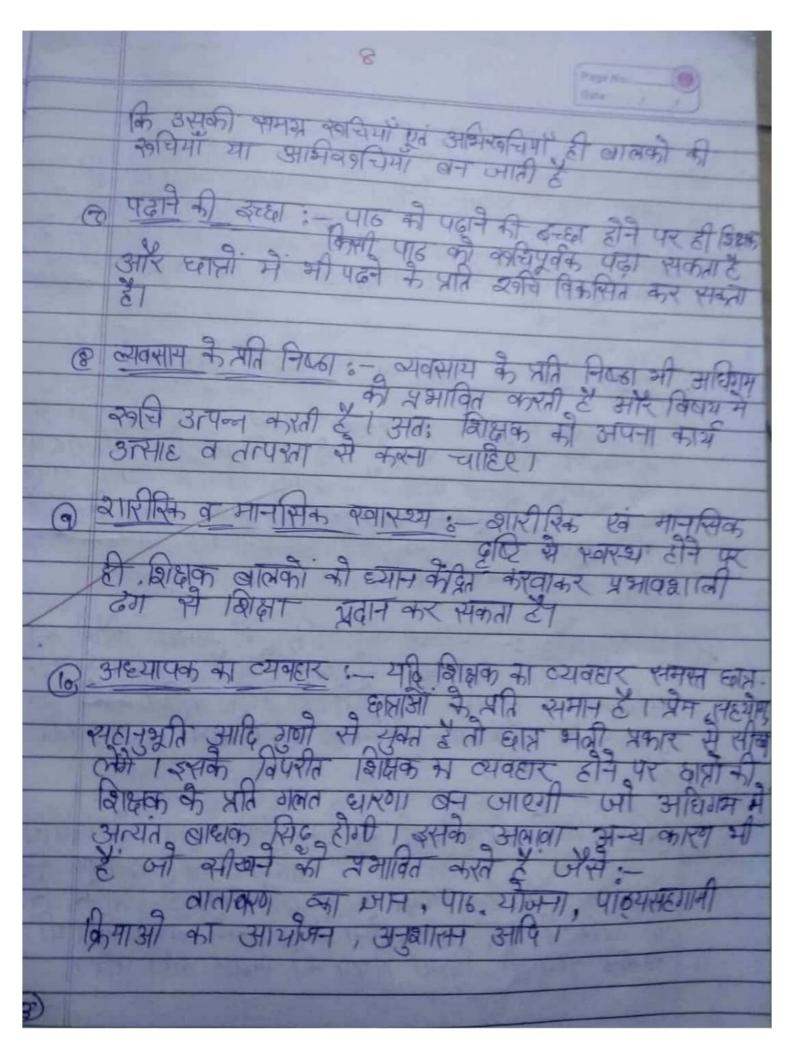


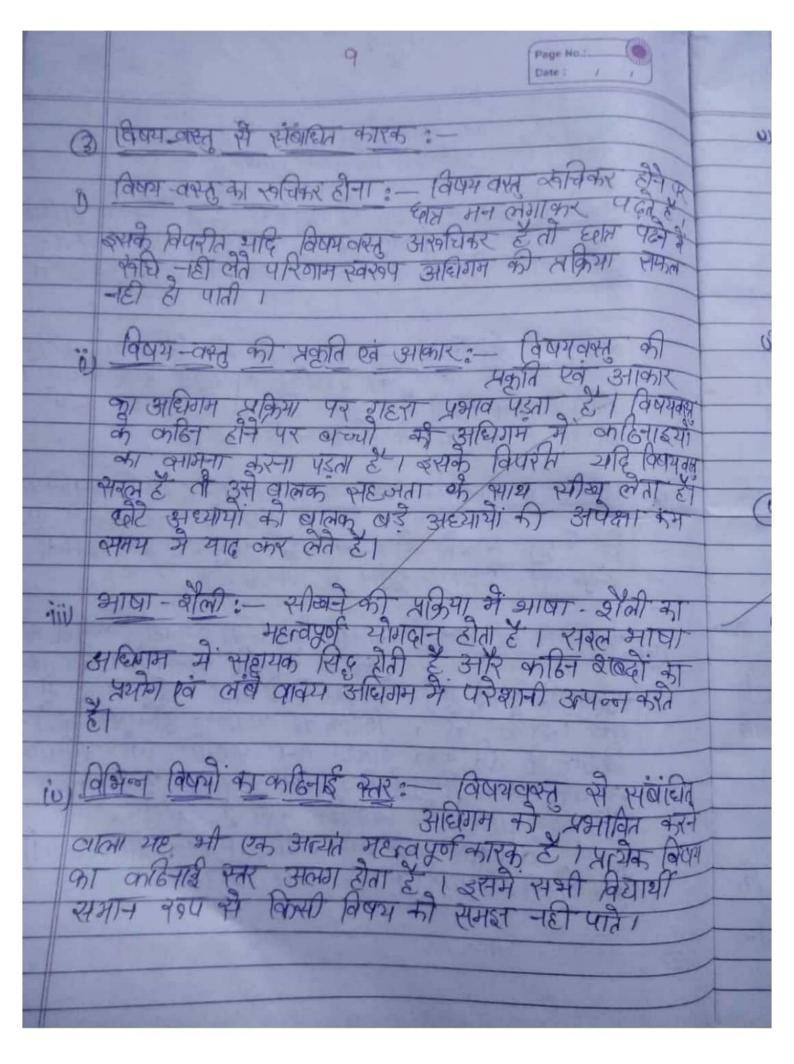
इसमा निश्चित चड़। युनाव पड़ता है। 18 की मानारिक विकात , खारीरिक तथा का प्रताम प्रभाव वालक के पडता है। व्यासीरिक एवं यानशिक थक जाते थकान :- अधिगम का समय सीहाने के समय चाम जिस असाह वीपहर लाढ 245 (का) लाखा विभाविशाम जिल्ला पाहिए निर् कियार दात - धाताओं राताओं के सार , आयु के अनुकूल है मानासिक एवं क्यारीस्कि दृष्टि भी न होना बावक को उमाध्याम नहीं करा सकता जिसे शिक्षक वैकार ४ ही जाना विधि - सीखने की प्रक्रिया में विधि सीखने की अत्यधिक अभ्यत

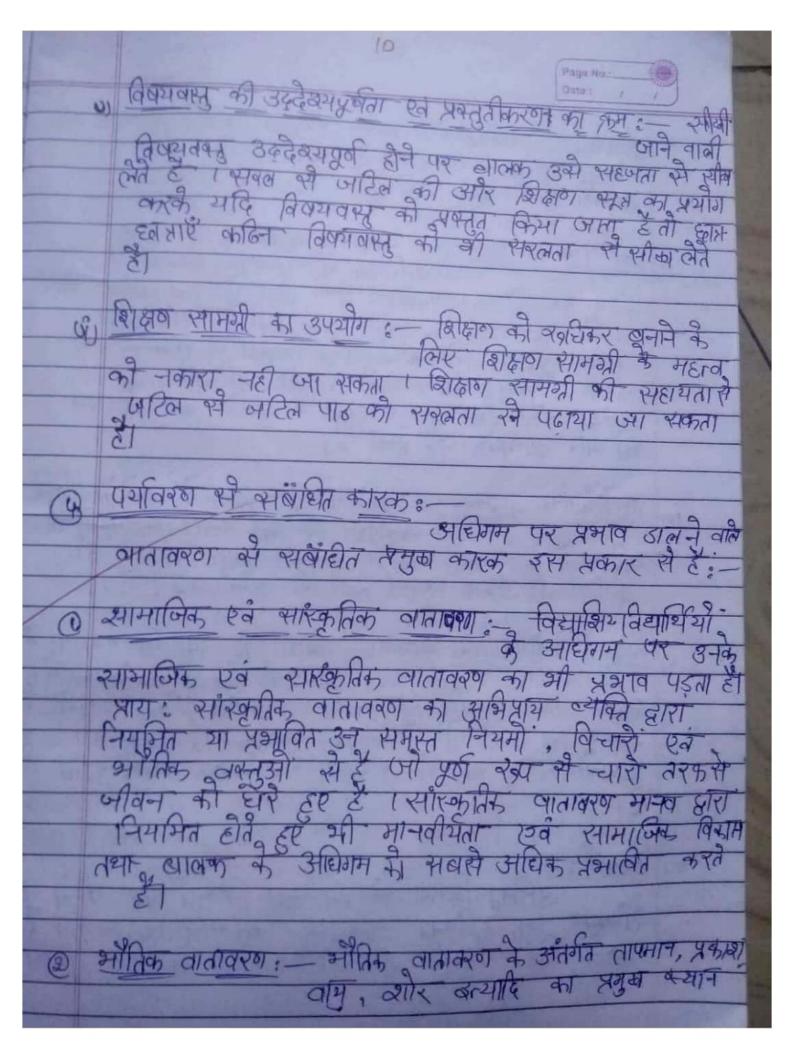


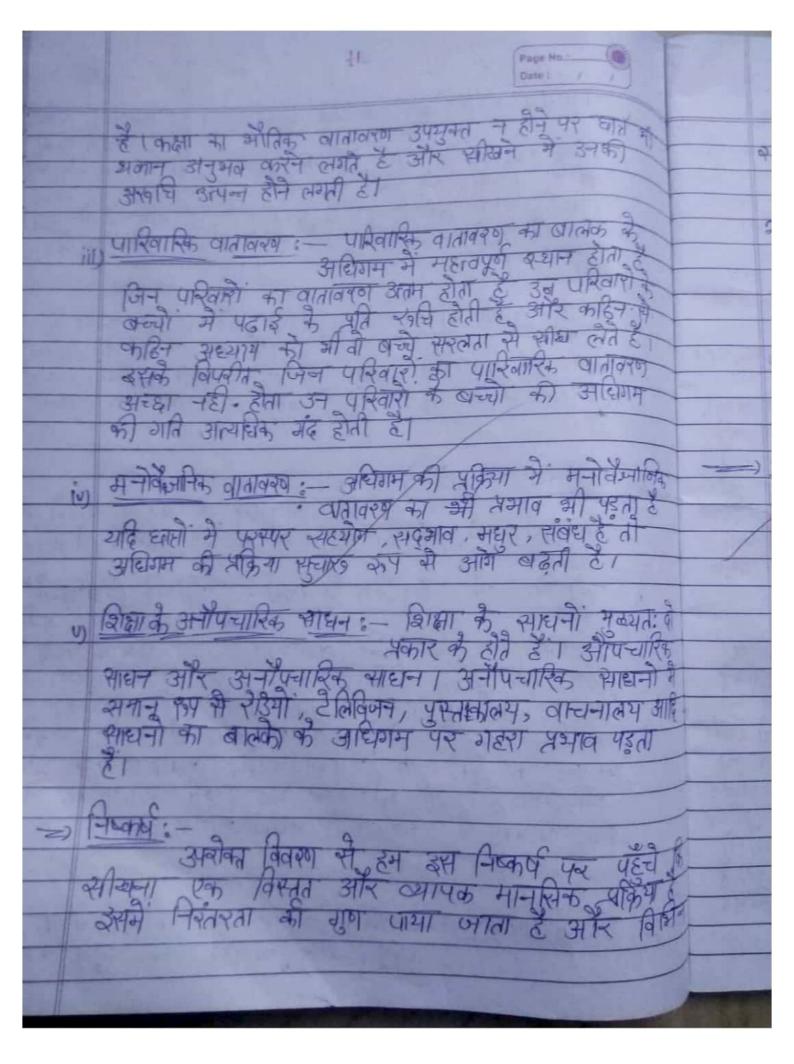
प्रावेशव :- हात विकास ही किए जान allam ME भाग्वांद्येत कारक : आज बाल केंद्रित बिहा अत्यधिक छल दिया ह यह आवश्यक अध्यापक अपने ा भनोविषान एवं खाल प्रकृति का अमन :- अहमापक

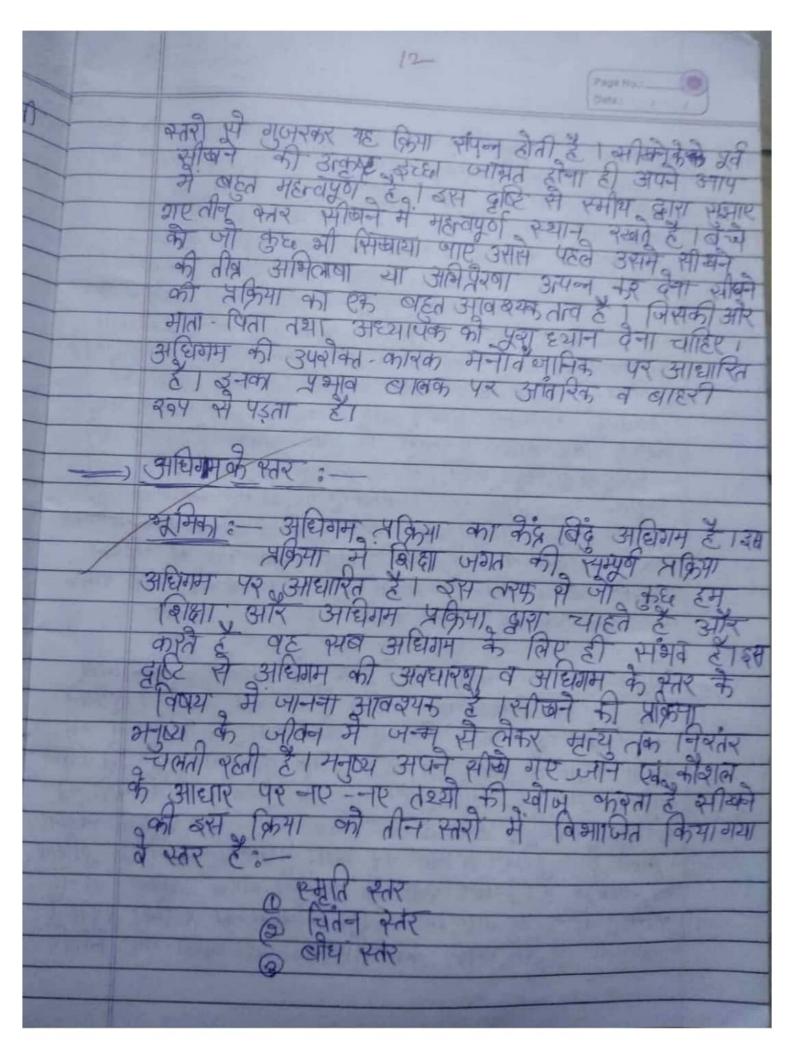


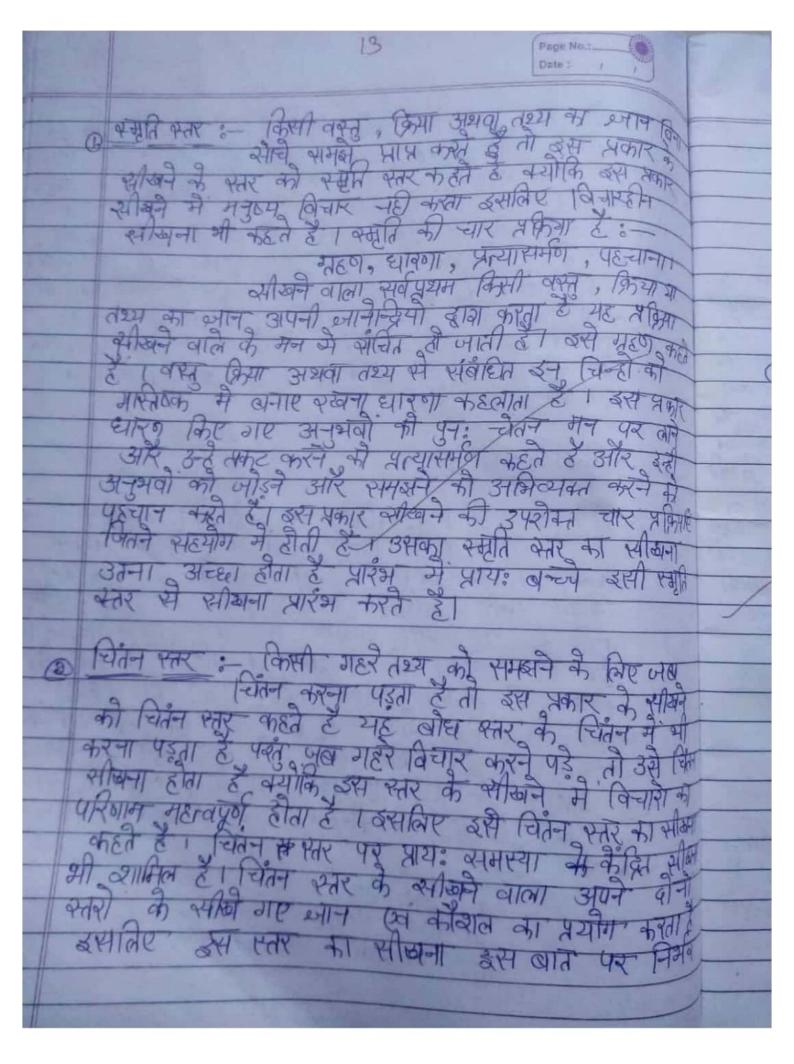












14 THE

